पंजाब केसरी 20-12-2025

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में राष्ट्रीय गणित दिवस पर करवाया व्याख्यान

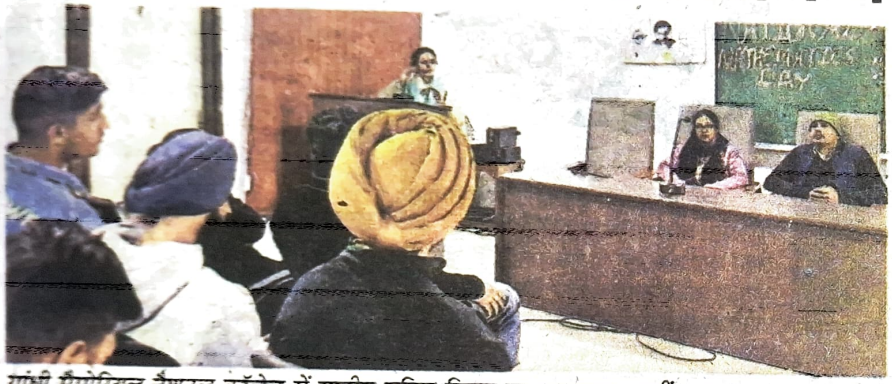

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में राष्ट्रीय गणित दिवस पर व्याख्यान करतीं मुख्य वक्ता। (चंद्रमोहन)

अम्बाला, 19 दिसम्बर (बलराम): छावनी के गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में गणित सप्ताह के अंतर्गत राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गणित विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर गणित विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. पिंकी ने महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जीवन एवं गणित में उनके अद्वितीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि औपचारिक प्रशिक्षण के अभाव के बावजूद रामानुजन ने विश्लेषण एवं संख्या सिद्धांत जैसे जटिल क्षेत्रों में अमूल्य योगदान दिया। उनकी सहज गणितीय प्रतिभा के कारण अनेक मौलिक परिणाम सामने आए, जिन पर आज भी निरंतर शोध कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि रामानुजन को आधुनिक काल के महानतम गणित विचारकों में गिना जाता है तथा उनके कई सूत्र क्रिस्टल विज्ञान जैसे आधुनिक विज्ञान क्षेत्रों में प्रयुक्त हो रहे हैं। भारत सरकार ने उनकी जयंती 22 दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सह-प्राध्यापक बृजेश गुप्ता ने कहा कि महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का गणित के क्षेत्र में योगदान अतुलनीय और ऐतिहासिक है। उनके द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों और सूत्रों ने न केवल गणित को नई दिशा प्रदान की, बल्कि विश्वभर के गणितज्ञों और शोधकर्त्ताओं को भी निरंतर प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि रामानुजन का जीवन संघर्ष, साधना और प्रतिभा का अद्भुत उदाहरण है, जो विद्यार्थियों और आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

वहीं, गणित विभाग की सहायक प्रो. सुजाता गोयल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि गणितज्ञ रामानुजन ने गणित के लगभग साढ़े तीन हजार से अधिक सिद्धांतों की रचना की थी, जो उनकी विलक्षण प्रतिभा का स्पष्ट प्रमाण है। डीन एकैडमिक अफेयर्स डॉ. कृष्ण कुमार पूनिया ने भी रामानुजन के गणितीय योगदानों पर विस्तार से चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। इस अवसर पर सहायक प्रोफैसर एवं एन.ई.पी. कन्वीनर डॉ. ज्योति सरोत, सहायक प्रो. अर्चना जैन, सृष्टि कपूर सहित अनेक शिक्षकगण उपस्थित रहे।